The ARTist International: A Multidisciplinary Journal Dedicated to All Artist
Vol. 3, Issue 1 – 2019
ISSN: 2581-5393

राजस्थान में पर्यटन का विकास

वैदेही शुक्ला

पर्यटन का अर्थ

पर्यटन का अर्थ मनोरजंन, नैसर्गिक आनंद, खेलकूद, स्वास्था, अध्ययन, धार्मिक यात्रा, व्यापार, कार्यालय सम्मेलन आदि के उद्धेश्यों पूर्ति के लिए की गयी यात्रा है।

इसका महत्व इस प्रकार है-

1. आर्थिक दृष्टि से पर्यटन का महत्व है।
2. पर्यटन से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति है।
3. पर्यटन से हजारों लोगों को रोजगार प्राप्त होता है।
4. इससे संस्कृति एवं कला का विकास होता है।
5. राज्य की आय में वृद्धि होती है।
6. इससे व्यापार तथा उद्योगों का भी विकास होती है।

राजस्थान में बहु तसारे पर्यटक आते हैं। भारत में आने वाला हर तीसरा विदेशी पर्यटक राजस्थान में आता है। राजस्थान में मरूस्थल एवं अरावली जैसे भौतिक स्वरूप, वन्यजीव, ऐतिहासिक घटनाए और गौरवमयी इतिहास, स्थापत्य कला, मेले, सास्ंकृतिक विविधताएँ आदि पर्यटकों को आकर्षित करते रहे हैं। राजस्थन भारत का एक प्रमुख पर्यटक राज्य है। लोक संगीत, नृत्य, कला, आदि राजस्थान की सांस्कृतिक विविधताओं के बारे में जानने के लिए और सीखने के उद्देश्य से भी यहाँ काफी पर्यटक आते हैं।

विदेशी पर्यटकों को भारत की ओर आकर्षित करने के लिए सरकार ने ''अतुल्य भारत ' नामक कार्यक्रम तैयार किया है। पर्यटन को बढावा देने के लिए राजस्थान राज्य में सन् 1979 में ''राजस्थान पर्यटन विकास निगम की स्थापना की गयी है। साथ ही ''पधारो म्हारे देश, राजस्थान पधारिये, रंगीलो राजस्थान, सुरंगा राजस्थान आदि नारे दिये गये। भारत का अतुल्य राज्य 'राजस्थान ' रंग बिरंगी संस्कृति का प्रतीक है।

राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थलां को तीन भागों में बाँटा गया है-

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved.

The ARTist International: A Multidisciplinary Journal Dedicated to All Artist
Vol. 3, Issue 1 – 2019
ISSN: 2581-5393

ऐतिहासिक पर्यटन स्थल

राजस्थान में पुरातात्विक पर्यटन स्थलों के रूप में हनुमानगढ जिले में कालीबंगा एवं पीलीबंगा, उदयपुर में आहड, जयपुर में बैराठ और सीकर में गणेश्वर प्रसिद्ध हैं। जयपुर में हवामहल, आमेर का किला, जंतर-मंतर, चितौडगढ का विजयस्तंभ एवं कीर्तिस्तम्भ, राजसमन्द किला, कुम्भलगढ का किला, उदयपुर का सज्जनगढ किला और सिटी पैलेस, जोधपुर में मेहरानगढ का किला, जैसलमेर का सोनारगढ किला आदि प्रमुख ऐतिहासिक पर्यटन स्थल है।

प्राकृतिक पर्यटन स्थल

राजस्थान की भौगोलिक बनावट एवं प्राकृतिक छटाओं के बीच जैसलमेर में मनमोहक रेत के टीले (धोरे), झीलां की नगरी उदयपुर में जयसंमद फतेसागर, पिछोला झील, आदि झीलें एवं शिल्पग्राम, सिरोही का प्रसिद्ध पर्वतीय स्थल माउण्ट आबू एवं नक्की झील, अजमेर की पुष्कर झील, राजसमंद में स्थित राजसंमद झील, चितौडगढ़ में चुलियाएवं मेनाल जल प्रपात, सवाईमाधोपुर का रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान, अलवर का सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर का केवलादेव घना राष्ट्रीय पक्षी विहार, जैसलमेर एवं बाडमेर में स्थित राष्ट्रीय मरू उद्यान, कोटा में चम्बल नदी के किनारे घडियाल तथा मगरमच्छों के सरंक्षण के लिए चम्बल अभयारण्य प्रमुख हैं।

धार्मिक पर्यटन स्थल

राजस्थान के रीति-रिवाजों व लोक संस्कृति में धर्म,जाति का बहु तअधिक महत्व है। यहां के तीर्य स्थल पर्यटन के प्रमुख केन्द्र माने जाते हैं। राज्य में ब्रहाजी का मंदिर (पुष्कर), ख्वाजा मुइनुददीन चिश्ती की दरगाह (अजमेर), कोलायत (बीकानेर), रामदेवरा (जैसलमेर), नाथद्वारा में श्री नाथजी (राजसमंद), एकलिंग जी (उदयपुर), गोविन्ददेवजी (जयपुर), करणीमाता देशनोक (बीकानेर), श्री महावीर जी (सवाईमाधोपुर), त्रिपुरा सुदंरी (बाँसवाडा) आदि मुख्य धार्मिक पर्यटन स्थल है। ऋषभदेव (उदयपुर), रणकपुर (पाली) और देलवाडा (सिरोही) के जैन मंदिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। पर्यटन व्यवसाय राज्य में रोजगार का प्रमुख स्रोत है।

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved.

The ARTist International: A Multidisciplinary Journal Dedicated to All Artist
Vol. 3, Issue 1 – 2019
ISSN: 2581-5393

राजस्थान में पर्यटन का विकास

राजस्थान में पर्यटन को बढावा देने के लिए 1989 में पर्यटन उद्योग का दर्जा दिया गया। पर्यटन एक सेवा उद्योग है। पर्यटन के विकाश के लिए राज्य में होटल निर्माण एवं पेइंर्ग गेस्ट योजना संचालित है। परिवहन के लिए आरक्षण, गाइड, टैक्सी प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी आदि इंटरनेट पर उपलब्ध है। ताकि पर्यटक इन सब की जानकारी जुटा सके। प्रमुख दर्शनीय स्थानां को सडक मार्ग, रेल मार्ग एवं हवाई मार्गों से जोड़ने का प्रयास किया गया है। रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स जैसी शाही रेलगाडी जो प्रमुख पर्यटक स्थलों की सैर करवाती है। राज्य में उपलब्ध यात्रा की सुविधा लोककला, लोकनृत्य, लोकगीत, पारम्परिक वेशभूषा आदि ने पर्यटन के विकास में महत्वपूर्ण भुमिका निभाई है। राजस्थान में पर्यटन को बढावा देने के लिए कई महोत्सव आयोजित किये जाते हैं। स्पष्टतः कह सकते हैं कि राजस्थान में पर्यटन विकास की कई स्थितियां विद्यमान हैं। सरकारी स्तर पर भी कुछ प्रयास किए जा रहे हैं। मिराज प्रोडक्टस के नाथद्वारा व राजसंमंद में कार्य, पावापुरी जैन तीर्थ आदि के रूप में निजी स्तर पर प्रयास किए गए हैं। यहां पर्यटन उद्योग का उज्ज्वल भविष्य है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. डॉ. संजय कुमार शर्मा-पर्यटन में भूगोल, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. राजस्थान सरकार पर्यटन नीति, 2015.
3. शर्मा गोपीनाथ-राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

© Eureka Journals 2019. All Rights Reserved.